पेपर लीक और बेरोजगारी के खिलाफ कांग्रेस का राष्ट्रव्यापी अभियान 'छात्रों की गूंज'

विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने प्रेस वार्ता में केंद्र व राज्य सरकार को घेरा; राहुल गांधी के 'डेटा-बेस्ड' आंकड़ों का दिया हवाला

सतना।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर विद्यार्थियों और युवाओं के ज्वलंत मुद्दों को लेकर देशव्यापी अभियान 'छात्रों की गूंज' की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत प्रदेश के प्रत्येक जिले में व्यापक जन-जागरण और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने सर्किट हाउस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी।

युवाओं में हताशा और 'वसूली' का खेल

विधायक कुशवाहा ने कहा कि आज देश का युवा पेपर लीक, परीक्षाओं के रद्द होने, भर्तियों में देरी और बढ़ती बेरोजगारी से हताश है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के डेटा और चार्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार NEET, JEE, UPSC जैसी शीर्ष परीक्षाओं के फॉर्म की फीस के नाम पर छात्रों और उनके परिवारों से भारी-भरकम 3.5 लाख करोड़ रुपये वसूलती है। सिर्फ NEET परीक्षा पर छात्रों द्वारा खर्च की गई राशि सरकार के कुल शिक्षा बजट के बराबर बैठती है। इतनी मोटी रकम वसूलने के बावजूद देश में केवल 1.2 प्रतिशत लोगों को ही नियमित वेतन वाली सुरक्षित नौकरियां मिल पा रही हैं।

संस्थानों पर वैचारिक कब्जा और स्थानीय प्रभाव

उन्होंने आरोप लगाया कि NCERT के पाठ्यक्रमों से लोकतंत्र और आपातकाल जैसे महत्वपूर्ण अध्याय हटाकर शिक्षा का राजनीतिकरण किया जा रहा है। कुलपतियों की नियुक्तियां योग्यता के बजाय वैचारिक संबंधों पर हो रही हैं।इस व्यवस्था की खामियों का खामियाजा स्थानीय छात्र भुगत रहे हैं। सतना में NEET परीक्षा में 322 छात्र अनुपस्थित रहे, वहीं परीक्षा केंद्र की गड़बड़ी से छात्र ध्रुव गौतम परीक्षा से वंचित रह गया। अत्यंत दुखद रूप से, विंध्य के मऊगंज जिले की 18 वर्षीय छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी ने नीट पेपर लीक से आहत होकर आत्महत्या कर ली। कांग्रेस ने युवाओं के भविष्य को बचाने के लिए सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ने का संकल्प जताया है।

खबर संक्षेप

मैहर में जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष,14 घायल

मैहर। मैहर जिले के अमरपाटन थाना अंतर्गत कहरी गांव में बुधवार रात जमीन से जुड़े पुराने विवाद को लेकर बंसल समाज के दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। विवाद की शुरुआत विवादित जमीन पर पानी भरने की मामूली बात से हुई,जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। दोनों ओर से लाठी-डंडे और धारदार हथियार चलने के कारण 7 महिलाओं समेत कुल 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद घायलों को अमरपाटन सिविल अस्पताल ले जाया गया,जहाँ स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की बदहाली सामने आई। अस्पताल में बेड की कमी के कारण डॉक्टरों को मजबूरी में गंभीर मरीजों का इलाज बरामदे और वार्ड के फर्श पर लिटाकर करना पड़ा। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल सतना रेफर कर दिया गया है। थाना प्रभारी विजय सिंह पारस्ते के मुताबिक,पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोषियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है।

मैहर के पूर्व सीईओ सहित 6 पर फर्जी बीपीएल कार्ड घोटाले में एफआईआर

मैहर। जनपद पंचायत मैहर में हुए बड़े पैमाने पर फर्जी बीपीएल प्रमाण पत्र घोटाले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ रीवा ने बड़ी कार्रवाई की है। ईओडब्ल्यू ने तत्कालीन जनपद सीईओ बेदमणि मिश्रा सहित 6 नामजद और कुछ अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। ईओडब्ल्यू रीवा के पुलिस अधीक्षक डॉ.अरविंद सिंह ठाकुर के अनुसार,अब तक की जांच में कुल 111 अपात्र व्यक्तियों के नाम फर्जी तरीके से बीपीएल सूची में जोड़ने और प्रमाण पत्र जारी करने की पुष्टि हुई है। गौरतलब है कि तत्कालीन सीईओ वेदमणि मिश्रा के कार्यकाल के दौरान इस धांधली को लेकर ग्रामीणों ने जिला स्तर पर शिकायतें की थीं। लंबे समय तक चली कागजी जांच के बाद आखिरकार अब यह आपराधिक प्रकरण दर्ज हुआ है। इस बड़ी कार्रवाई से मैहर जनपद पंचायत कार्यालय में हड़कंप मच गया है और मामले की विस्तृत विवेचना जारी है।

रेल यात्रियों की समस्याओं पर अवध बिहारी मिश्रा ने जताई कड़ी आपत्ति

सतना। पश्चिम मध्य रेलवे जोन जबलपुर के महाप्रबंधक कार्यालय में क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। रेल महाप्रबंधक की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में समिति सदस्य अवध बिहारी मिश्रा ने क्षेत्र की लंबित रेल समस्याओं को लेकर रेलवे प्रशासन के जवाबों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। श्री मिश्रा ने मझगवां स्टेशन में पेयजल,शौचालय,प्लेटफार्म ऊंचाई बढ़ाने,आरपीएफ बैरक निर्माण,और बंद गाड़ियों के ठहराव को बहाल करने जैसी प्रमुख मांगें उठाईं। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम की वनवास स्थली चित्रकूट क्षेत्र का मझगवां स्टेशन आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है। यात्रियों को सुविधाएं न मिलने पर उन्होंने गहरी चिंता और नाराजगी जताई। उन्होंने रेलवे द्वारा दिए गए कुछ जवाबों को भ्रामक बताते हुए कहा कि जो कार्य स्थानीय स्तर के हैं,उन्हें तुरंत किया जाए और जो रेलवे बोर्ड स्तर के हैं,उनके प्रस्ताव भेजे जाएं।

जूडो खेल अकादमी हेतु प्रतिभा चयन 29 व 30 जून को

सतना। म.प्र.राज्य खेल अकादमियों के खिलाड़ियों हेतु प्रतिभा चयन वर्ष 2026-27 कार्यक्रम के अंतर्गत जूडो खेल अकादमी में प्रवेश के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सतना/मैहर रितिका दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि यह चयन कार्यक्रम 29 एवं 30 जून 2026 को सायं 4 बजे से स्व.दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम जवाहर नगर सतना में आयोजित होगा।

तीन कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त

सतना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना डॉ.सतीश कुमार एस ने शुक्रवार 26 जून को मोहर्रम (ताजिया) त्यौहार के अवसर पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु तीन कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किये हैं। जिनमें प्रभारी तहसीलदार सौरभ मिश्रा को पन्नी लाल चौक सतना,प्रभारी नायब तहसीलदार रघुराजनगर राजेश सिंह को खूंथी बसीरन मोहल्ला,एवं सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख लालमणि पाण्डेय को करवला (रामना टोला) के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। नियुक्त किये गये कार्यपालिक मजिस्ट्रेट 26 जून को कार्यक्रम समापन तक कार्यस्थल पर उपस्थित रहकर सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने किए माँ शारदा के दर्शन, सीएम पर लगे आरोपों को नकारा

मैहर।

मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता नरोत्तम मिश्रा गुरुवार सुबह रेवांचल एक्सप्रेस से मैहर पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किए जाने के बाद वे सर्किट हाउस गए। इसके पश्चात उन्होंने त्रिकूट पर्वत पर स्थित प्रसिद्ध माँ शारदा मंदिर पहुंचकर विशेष पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए नरोत्तम मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और उनके परिवार पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा लगाए गए जमीन घोटाले के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से चरित्र हनन और राजनीतिक हताशा की राजनीति करती आई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा सरकार प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जबकि विपक्ष केवल झूठे आरोप लगाकर जनता को भटका रहा है।

एससी हॉस्टल में औचक निरीक्षण,13 हजार का फर्जी आरओ बिल और 12 पंखे गायब

सतना।

मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष कैलाश जाटव के औचक निरीक्षण में शहर के कृष्ण नगर स्थित अनुसूचित जाति उत्कृष्ट छात्रावास में गंभीर वित्तीय गड़बड़ियाँ और बदहाली सामने आई है। गुरुवार को हुए इस निरीक्षण के बाद आयोग अध्यक्ष ने जिला कलेक्टर को फोन कर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण के दौरान सामने आया फर्जी आरओ बिल का खेल

छात्रावास के वाटर प्यूरीफायर (आरओ) के मेंटेनेंस के नाम पर 13,000 का बिल लगाया गया था। जब अध्यक्ष ने संबंधित कंपनी से फोन पर बात की,तो पता चला कि वास्तविक बिल सिर्फ 4,500 का था। अधिकारियों को भनक लगते ही वर्षों से बंद पड़े आरओ को आनन-फानन में चालू दिखाने की कोशिश भी नाकाम रही।

लाइब्रेरी में किताबों की जगह कबाड़

हॉस्टल के लाइब्रेरी हॉल का ताला खुलवाने पर वहाँ किताबों की जगह कबाड़ भरा मिला। छात्रों के लिए पढ़ाई की कोई उचित व्यवस्था नहीं थी।

मेस से 12 पंखे गायबः

साल 2022 में छात्रों के भोजन कक्ष (मेस) में 12 पंखे लगाए गए थे,जो निरीक्षण के दौरान गायब मिले। भीषण गर्मी में छात्र बिना पंखे के खाना खाने को मजबूर हैं।

टूटे पलंग और बिस्तरों की कमीः

छात्रों ने शिकायत की कि हॉस्टल में पलंग टूटे हुए हैं। पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण छात्रों को घर से कंबल,गद्दे,चादर और तकिया लाना पड़ रहा है। आयोग अध्यक्ष कैलाश जाटव ने हॉस्टल अधीक्षक रामप्रकाश पाण्डेय को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि क्या कोई जिम्मेदार अपने परिवार को ऐसी स्थिति में रख सकता है? फिलहाल,प्रशासन की जांच रिपोर्ट और आगामी कार्रवाई का इंतजार है।

चेंबर अध्यक्ष सतीश ने पेश किया 3 साल का रिपोर्ट कार्ड

सतना। विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने संगठन की पिछले तीन वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि चेम्बर को भोपाल में 'मोस्ट एक्टिव एसोसिएशन ऑफ म.प्र.' अवार्ड से नवाजा गया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा विन्ध्य व्यापार मेला हेतु 8 एकड़ जमीन की घोषणा। वर्ष 2023 और 2025 में सफल व्यापार मेलों का आयोजन। चेम्बर में 400 नए सदस्य व 6 नई संस्थाएं जुड़ीं। संगठन की एफडी को 60लाख से बढ़ाकर 1.50 करोड़ रुपये किया गया। प्रशासन से संवाद कर संपत्ति कर में प्रस्तावित वृद्धि रुकवाई और बढ़ी हुई गाइडलाइन का विरोध कर राहत दिलाई। जीएसटी,बिजली व नगर निगम से जुड़े करीब 250 मामलों का मध्यस्थता से समाधान कराया। व्यापारियों की समस्याओं के लिए विभिन्न विभागों के साथ कार्यशालाएं कीं। कड़ाके की ठंड में कंबल वितरण और शहर में वृक्षारोपण जैसे सामाजिक सरोकार के कार्य किए गए। लापता व्यवसायी प्रकाश लालवानी के मामले में क्रमिक अनशन कर अपराधी को सजा व पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद दिलाई। चेम्बर व्यापारिक हितों की रक्षा के साथ-साथ सामाजिक और जनहित के मुद्दों पर भी हमेशा तत्पर रहा है।

विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स का 61वां द्विवार्षिक अधिवेशन आज, 28 जून को होगा मतदान

सतना।

विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज सतना का 61 वां द्विवार्षिक अधिवेशन शुक्रवार, 26 जून को सुबह 10 बजे से रीवा रोड स्थित ओम रिसोर्ट में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद गणेश सिंह,अध्यक्ष महापौर योगेश ताम्रकार और विशिष्ट अतिथि विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा होंगे। चेम्बर पदाधिकारियों के अनुसार,अधिवेशन दो सत्रों में होगा। प्रथम सत्र में अतिथियों द्वारा प्रगति पत्रिका का विमोचन,वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान और नए सदस्यों को प्रमाणपत्र वितरण किया जाएगा। द्वितीय सत्र में आमसभा के दौरान आय-व्यय का अनुमोदन होगा,जिसके बाद मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट के.पी. शर्मा चुनाव प्रक्रिया शुरू करेंगे। सहमति न बनने पर रविवार,28 जून को सुबह 8 से शाम 5 बजे तक चेम्बर भवन में तीन बूथों पर मतदान होगा। सीरियल क्रमांक 1 से 1000 तक के सदस्य न्यू ब्लॉक के हॉल में और 1001 से 1662 तक के सदस्य चेम्बर सभागार में वोट डाल सकेंगे। मतगणना सोमवार शाम 4 बजे से होगी। सदस्यों की सुविधा के लिए ईश्वर पटिया के सामने सर्किट हाउस,वीनस ट्रेजर और मधुवन मैरिज गार्डन में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा व टीम ने सभी सदस्यों से उपस्थिति की अपील की है।

मोहर्रम पर्व पर कानून व्यवस्था बनाये रखने कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी

सतना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ.सतीश कुमार एस ने 26 जून 2026 को मोहर्रम (ताजिया) त्यौहार के अवसर पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु सभी संबंधित अनुविभाग के लिये उस क्षेत्र के अनुविभागीय दंडाधिकारियों को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के रुप में नियुक्त किया है। नियुक्त उपखंड मजिस्ट्रेट अपने-अपने अनुभाग अन्तर्गत अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर सम्पूर्ण कानून व्यवस्था सुचारु रुप से संपादित करेंगे। साथ ही सभी उप खण्ड मजिस्ट्रेट अपने-अपने अनुभाग अन्तर्गत कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त करना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार अनुविभागीय दण्डाधिकारी रघुराजनगर शहरी राहुल सिलाडिया,अनुविभागीय दण्डाधिकारी ग्रामीण लक्ष्यराम जांगडे,अनुविभागीय दण्डाधिकारी उचेहरा सुमेश द्विवेदी,अनुविभागीय दण्डाधिकारी मझगवां महिपाल सिंह गुर्जर,अनुविभागीय दण्डाधिकारी नागौद जितेन्द्र वर्मा,अनुविभागीय दण्डाधिकारी रामपुर बघेलान सुभाष कुमार मिश्रा को सम्पूर्ण अनुविभाग हेतु कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त करते हुए तत्काल प्रभाव से डयूटी लगाई गई है।सम्पूर्ण व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी अपर कलेक्टर एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट सतना विकास सिंह मोबाइल 7354649641 होंगे।

आपात परिस्थितियों से निपटने आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश

संवेदनशील एवं जलभराव क्षेत्रों की करें विशेष निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कटनी

आगामी वर्षा ऋतु के दौरान नगर में जलभराव की समस्या को रोकने तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निगम प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की बुधवार को आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा समीक्षा की जाकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में नगर के निगमायुक्त सुश्री परिहार द्वारा नगर के विभिन्न चिन्हित स्थानों एवं नगर के विभिन्न वार्डो में संभावित जलभराव क्षेत्रों में की गई कार्यवाहियों, नाला-नाली सफाई, जल निकासी व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तथा आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान आयुक्त ने स्वच्छता निरीक्षकों से उनके वार्ड के नाले एवं नालियों की सफाई व्यवस्था की क्षेत्रवार प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा शेष कार्य को शीघ्र पूर्ण कराते हुए संवेदनशील एवं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्था पूर्व से ही सुनिश्चित की जाएं।

निगमायुक्त ने जल निकासी में बाधा उत्पन्न करने वाले अतिक्रमणों को नोटिस जारी कर हटाने की कार्यवाही करने, नाला सफाई उपरांत मलबे को शीघ्र उठाने, मुख्य मार्ग के जल भराव वाले मार्ग में मुख्य मार्ग एवं नाली के बीच चैनल बनाकर जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने के साथ ही बंधवा टोला, कुम्हार मोहल्ला, झिंझरी, अर्जुन पैलेस के पीछे, सागर पुलिया, जैन कॉलोनी राणा होटल के पास का नाला, गांधी गंज स्थित नारायण दाल मिल के पास का नाले से समुचित जल निकासी की व्यवस्था कराने के नागरिकों की सुविधा एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए खुले एवं खतरनाक नालों को ढकने, वार्ड के गड्ढों की फिलिंग कराने के साथ ही बाजार क्षेत्रों की नालियों से सुगम जल निकासी हेतु समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

निगमायुक्त तपस्या परिहार ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण करें तथा प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही वर्षा के दौरान किसी भी तरह की आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक मशीनरी, टुल्लू पंप, विद्युत कनेक्शन, वाहन एवं कर्मचारियों की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए।

पेयजल संकट को लेकर कलेक्टर से मिलेगा 'गरीब सेना' का प्रतिनिधिमंडल, जनांदोलन की चेतावनी

सतना। शहर में व्याप्त गंभीर पेयजल संकट और नगरनिगम प्रशासन की तानाशाही के खिलाफ 26 जून को सुबह 11 बजे 'गरीब सेना' का एक प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर से मुलाकात कर शिकायत दर्ज कराएगा। मांगें पूरी न होने पर संगठन ने व्यापक स्तर पर जनांदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। नगर निगम के पूर्व पार्षद और गरीब सेना के सहयोगी महिंद वर्धन सिद्धार्थ 'पप्पू' ने निगम कमिश्नर शेर सिंह मीणा पर सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि जो अधिकारी जनता को शुद्ध पानी नहीं दे सकता,उसे पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। कमिश्नर के संरक्षण में पेयजल प्रभारी और कर्मचारी पूरी तरह बेपरवाह बने हुए हैं। उन्होंने बताया कि वार्ड 18 (सोंधियां मुहल्ला),वार्ड 15 (मंगल भवन उत्तर) और वार्ड 17 (हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी) जैसे कई क्षेत्रों में पानी की भारी किल्लत है। जहाँ सप्लाई होती भी है,वहाँ बिना मोटर पंप के पानी नहीं चढ़ता। इसके अलावा,कई इलाकों में मटमैला और दुर्गंधयुक्त पानी सप्लाई कर नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है।

(ISO 9001:2000 सर्टिफाइड संस्था)
मान्यवर,
आमंत्रण
विन्ध्य चेम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, सतना
का 61वाँ द्विवार्षिक अधिवेशन
मुख्य अतिथि:
श्री गणेश सिंह जी, सांसद, सतना
विशिष्ट अतिथि :
श्री सिद्धार्थ कुशवाहा जी, विधायक, सतना
अध्यक्षता :
श्री योगेश ताम्रकार जी, महापौर, सतना
की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।
इस अवसर पर आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।
शुक्रवार, 26 जून 2026... प्रातः 10.30 बजे
ओम रिसॉर्ट, रीवा रोड, सतना
सतीश सुखेजा, अध्यक्ष
संदीप कुमार जैन, महामंत्री
मनोहर वाधवानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष
दीपक अग्रवाल, कनिष्ठ उपाध्यक्ष
हरिओम गुप्ता, मंत्री
कमल पुरस्वानी, सहमंत्री
अमित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष
समस्त पदाधिकारी, कार्य समिति सदस्य
एवं सहयोगी व्यापारिक संस्थायें

खबर संक्षेप

आध्यात्मिक ज्ञान दिवस के रूप में मनाया मातेश्वरी का 61 वां स्मृति दिवस

पन्ना। ब्रह्माकुमारी संस्थान की प्रथम मुख्य प्रशसिका मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती का 61 वां पूर्ण स्मृति दिवस आध्यात्मिक दिवस के रूप में मनाया गया ब्रह्माकुमारी बहन ने मातेश्वरी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कह कि आपका जन्म सन 1919 में अमृतसर में एक संपन्न परिवार में हुआ उनके बचपन का नाम राधे था जब आप ओम की ध्वनि उच्चारण करती थी तो पूरे वातावरण में गहन शांति छा जाती थी इसलिए वे ओम राधे के रूप में लोकप्रिय हुई। आपने कहा मातेश्वरी जी की वाणी इतनी सरल मधुर और कशिश वाली होती थी कि वह सुनने वालों की विचार ही बदल जाते थे आप में परखने की और निर्णय शक्ति बहुत तेज थी। मातेश्वरी जी का व्यक्तित्व समस्त नारी जगत के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत है मातेश्वरी जी ने आध्यात्मिक शक्ति के द्वारा मानवता की सेवा के पद को उस समय चुना जब नारियों को घर से बाहर निकालने की अनुमति नहीं होती थी भारतीय संस्कृति के उत्थान के लिए मातेश्वरी जी का यह त्याग समर्पण और सेवा समस्त भारत तथा विश्व के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। 24 जून 1965 को मातेश्वरी जी ने स्वयं को शारीरिक कर्मेंद्रिय की सीमाओं और बंधनों से मुक्त कर संपूर्णता को प्राप्त किया सभी भाई बहनों ने उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का लिया दृढ़ संकल्प।

साईबर अपराधों की रोकथाम को लेकर पुलिस अधीक्षक ने दिलाई शपथ

पन्ना। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू ने साईवर अपराधों को ध्यान में रखकर जहां स्वयं जागरूकता का दायित्व निभाते हुए वहीं अपने कर्तव्यों का निर्वाहन साईवर अपराधों से बचाव को लेकर प्रचार-प्रचार की भूमिका निभाने वाले मीडिया प्रतिनिधियों को शपथ दिलाकर कर्मक्षेत्र को लेकर पालन करने के लिए किया प्रेरित।

डर का महौल न रहे, बदले की भावना नहीं बल्कि गलत तरीके से दबाव नहीं चलेगा -संजय नगायच

पन्ना जिला मुख्यालय के सर्किट हाउस में मीडिया कॉन्फ्रेस के दौरान संजय नगायच मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन एण्ड लॉजिस्टिंग के अध्यक्ष ने साफतौर पर मीडिया के सवालों का बेबाकी से जवाब देते हुए कहा कि डर का महौल न रहे भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टालवेंशी जो हमारी सरकार की कार्य पद्धति है हमारे मुख्यमंत्री चाहते है कि वह पन्ना में दिखे। किसी के कार्यक्षेत्र में अतिक्रमण तो नहीं करेंगे पर गंभीर विषयों में संज्ञान लिया जायेगा।

पन्ना। बदलाव शुरू हो गया बदले की भावना नहीं बल्कि गलत तरीके से दबाव नहीं चलेगा। मैं वचन देता हूं पूरी स्वतंत्रता के साथ डॉ. मोहन यादव की सरकार में कार्यप्रणाली को दिशा दी जायेगी। वहीं मध्यप्रदेश में हमारी सरकार की जो पद्द्यति है भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर जीरो टॉलवेंशी हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जो सोच है वह पन्ना में दिखे। डर का महौल न रहे गौरतलब बात यह है कि पन्ना में संजय नगायच के चेयरमैन बनने के बाद यह पहली कान्फ्रेस बड़ी ही उम्मीदों को लेकर दिख रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे पन्ना में एक बड़े बदलाव को लेकर उम्मीद मानी जा रही है वह संजय नगायच ने मीडिया तरह-तरह के सवालों का जवाब बेबाकी से दिया। पन्ना जिले में भ्रष्टाचार को लेकर जो हालात है उस पर साफतौर पर कहा कि हमारी सरकार की पद्यति है जीरो टॉलवेंशी भ्रष्टाचार के मामलों पर वहीं हमारे मुख्यमंत्री की सोच साफ है इस तरह से पारदर्शी साफ स्वच्छ प्रशासन को लेकर हम सभी लोग आगे अच्छे कार्यों के लिए दिशा तय करेंगें। डर का महौल न रहे मैं वचन देता हूं कि गलत तरीके से कोई दबाव न बनेगा पूरी स्वतंत्रता के साथ बदले की भावना से नहीं किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं पर जहां कार्यवाही की आवश्यकता है गंभीर विषयों पर संज्ञान लिया जायेगा। संजय नगायच पन्ना जिले की राजनीति में पूर्व से ही संघर्षों को लेकर जाने जाते है जहां मीडिया ने कई तरह के सवाल सीधे दागे। जिला अस्पताल में कार्यप्रणाली को लेकर सिविल सर्जन के ऊपर मीडिया ने आरोप लगाये जवाब में आपने कहा कि आप मुझे संबंधित की कार्यप्रणाली को लेकर फाईल सौंपे। 24 घंटे में कार्यवाही को लेकर जवाब में निश्चितौर पर यह कान्फ्रेंस कहीं न कहीं पन्ना जिले समूची राजनीति को लेकर जहां संजय नगायच से उम्मीदों को लेकर दिख रही थी ऐसा लग रहा था मानो पन्ना को लेकर कई तरह के हालातों से निजात दिलाने के लिए नगायच से उम्मीदें जुड़ी है वहीं संजय नगायच ने स्पष्टतौर पर कहा कि निगम के अध्यक्ष तो बाद में पहले भाजपा के कार्यकर्ता है। अपने कर्तव्यों व दायित्वों के साथ-साथ जहां जरूरी है सभी जगह पारदर्शी तरीके से न्याय प्रणाली व स्वतंत्र तथा निष्पक्ष प्रशासन की भूमिका तय हो। यह सबकी जिम्मेदारी है निर्वाचित प्रतिनिधियों को भी चाहिए कि अपनी जवाबदारी संवेदनशीलता के साथ निभाये हम किसी की कार्यक्षेत्र में अतिक्रमण तो नहीं करेगें पर गंभीर विषयों को जो मेरे संज्ञान में लाया जायेगा उसको लेकर हम आगे कार्यवाही की दिशा जरूरत तय करेंगें। संजय नगायच की मीडिया कान्फ्रेंस के दौरान प्रमुख रूप से गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रविराज सिंह यादव, वहीं पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष भाजपा जिला महामंत्री माधवेन्द्र सिंह वहीं भाजपा नेता बॉबी मिश्रा की उपस्थिति विशेषतौर पर थी। पन्ना जिले के समस्त मीडिया के प्रतिनिधि प्रेस कान्फ्रेस में मौजूद रहे। जहां तरह-तरह के सवालों का जवाब संजय नगायच मध्यप्रदेश बेयर हाउसिंग कार्पोशन एण्ड लॉजिस्टिंग के अध्यक्ष ने दृढ़ता के साथ पन्ना को अपना ग्रह जिला कर्मभूमि बताते हुए नेक इरादे के साथ नवाचार को लेकर विकास की दिशा को अंजाम देने की बात कही है वहीं आगामी प्रेस कान्फ्रेस के दौरान पन्ना में विकास को लेकर अपने विभाग से एक बड़ी सौगात के रूप में बडे.बेयर हाउस को लेकर जहां जरूर अश्वासन भी दिया। इस तरह से साफतौर पर नजर आ रहा है कि पन्ना में विकास को लेकर वहीं कार्यप्रणाली व प्रशासन की भूमिका में अब बदलाव की बयार की कार्यप्रणाली को लेकर उम्मीदें मानी जा रही है।

थाना प्रभारी रवि सिंह जादौन पहुंचे पीएम श्री विद्यालय, बच्चों को सिखाए साइबर सुरक्षा के गुर; सेफ क्लिक अभियान के तहत किया जागरूक

अमानगंज। साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए अमानगंज पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सेफ क्लिक अभियान के तहत गुरुवार को दोपहर 1 बजे पीएम श्री विद्यालय में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी रवि सिंह जादौन ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उन्हें साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। थाना प्रभारी रवि सिंह जादौन ने बच्चों को बताया कि वर्तमान समय में इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है, लेकिन इसकी लापरवाही कई बार साइबर अपराधों का कारण बन जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड, गेमिंग ऐप्स के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी तथा साइबर अपराधियों के नए-नए तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को समझाइश देते हुए कहा कि किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी या पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से मित्रता करने और निजी जानकारी साझा करने से भी बचें। यदि किसी प्रकार की साइबर ठगी या संदिग्ध गतिविधि का सामना हो तो तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका थाना प्रभारी ने सरल भाषा में उत्तर दिया। बच्चों को डिजिटल प्लेटफॉर्म का सुरक्षित और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने अमानगंज पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने साइबर सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। इस दौरान पीएम श्री विद्यालय के प्राचार्य एस के द्विवेदी मौजूद रहे।

पौधरोपण कार्य में भारी लापरवाही उजागर, बीट गार्ड पर वन मंडल अधिकारी की नाराजगी

अजयगढ़। उत्तर पन्ना वन मंडल के वन मंडल अधिकारी द्वारा अजयगढ़ परिक्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न बीटों में संचालित पौधरोपण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं एवं लापरवाहियां सामने आने पर अधिकारियों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। भ्रमण के दौरान दमचुआ बीट में निरीक्षण करते समय पाया गया कि सागौन के पौधों को एक स्थान पर एकत्र कर रखा गया था, जो पूरी तरह सूख चुके थे। वहीं सीए रोपण क्षेत्र में रोपण हेतु रखे गए निषिद्ध करंज प्रजाति के पौधे भी अत्यंत दयनीय अवस्था में पाए गए। इसके अलावा रोपण के लिए खोदे गए अनेक गड्ढों में पौधे सूखे हुए मिले अथवा कई स्थानों पर पौधे लगाए ही नहीं गए थे। वन मंडल अधिकारी ने पौधरोपण कार्य में इस प्रकार की लापरवाही और उदासीनता को गंभीरता से लेते हुए संबंधित बीट गार्ड रामनरेश सिंह राजपूत के प्रति गहरा रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की लापरवाही से विभाग को श्रम एवं धन दोनों की क्षति हुई है, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। निरीक्षण के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि नियमित वन भ्रमण एवं वानिकी कार्यों के प्रति अपेक्षित गंभीरता नहीं बरती जा रही है। विभागीय कार्यों को सुरक्षा श्रमिकों के भरोसे छोड़कर जिम्मेदारियों से बचने की प्रवृत्ति के कारण विभाग को नुकसान उठाना पड़ रहा है। अधिकारियों ने इसे अत्यंत चिंतनीय बताते हुए कार्यों में सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। वन विभाग द्वारा पौधरोपण अभियान की सफलता और पौधों के संरक्षण को लेकर विशेष निगरानी रखी जा रही है तथा लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई किए जाने के संकेत भी दिए गए हैं।

सायबर अपराधियों पर कसा शिकंजा, सेफ क्लिक-2026 अभियान के दूसरे दिन पन्ना पुलिस की बड़ी कार्यवाही

25 टन नारियल सप्लाई के नाम पर 7.50 लाख की साइबर ठगी करने वाले आरोपियो को फर्रूखाबाद से किया गिरफ्तार

पन्ना। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे सेफ क्लिक अभियान के अन्तर्गत, पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में थाना देवेन्द्रनगर क्षेत्रान्तर्गत सायबर ठगी के मामले का सफल खुलासा करते हुए 02 आरोपियों को अलग अलग राज्यों से गिरफ्तार किया गया है। मामले में फरियादी भागवत प्रसाद विश्वकर्मा निवासी देवेन्द्रनगर जिला पन्ना द्वारा अपने मिनी मार्केट हेतु 25 टन नारियल खरीदने के लिए बाजार ऐप पर आवश्यकता दर्ज की गई थी। दिनांक 27.01.2026 को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल के माध्यम संपर्क कर स्वयं को ज्ञम्।स्। थ्व्व्क्ष्न्छभ्- ज्तक्म्ै का प्रतिनिधि बताते हुये 25 टन नारियल 7,50,000 में उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया। उक्त व्यक्ति द्वारा फर्म के दस्तावेज, जीएसटी नंबर, ट्रक एवं चालक के दस्तावेज भेजकर फरियादी का विश्वास अर्जित किया गया। उक्त संदेही व्यक्ति के कहने पर फरियादी ने विभिन्न माध्यमों से बैंक खातों में कुल 7,50,000 जमा कर दिए। भुगतान प्राप्त होने के बाद उक्त संदेही व्यक्ति एवं कथित ट्रक चालक ने संपर्क बंद कर दिया तथा नारियल फरियादी के पास नही पहुँचाये गये । उक्त अज्ञात व्यक्तियों द्वारा झूठे दस्तावेजों एवं भ्रामक जानकारी का उपयोग कर फरियादी के साथ 7 लाख 50 हजार रूपये की धोखाधड़ी कारित की गई। मामले में फरियादी की शिकायत पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार थाना देवेन्द्रनगर में अपराध क्रमांक 63/2026, धारा 318(4) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वन्दना चौहान एवं एसडीओपी पन्ना श्री एस.पी. सिह बघेल के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर उनि0 संतोष सिहं के नेतृत्व मे दो विशेष पुलिस टीमो का गठन किया गया। तकनीकी सहयोग हेतु पुलिस साइबर सेल टीम को निर्देशित किया गया। मामले में गठित पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की तलाश पतारसी हेतु संभावित प्रयास किये गये। साथ ही पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्म अध्ययन किया गया। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित किया गया। चिन्हित व्यक्तियों की तलाश पतारसी हेतु पुलिस टीम द्वारा अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया साथ ही पुलिस सायबर सेल टीम से सहयोग लिया गया। जिसके फलस्वरूप प्राप्त जानकारी अनुसार पुलिस टीमे अलग दृ अलग राज्यों मे रवाना की गई जिसमे से एक टीम अहमदाबाद गुजरात एवं दूसरी टीम फरूखाबाद उ.प्र. रवाना की गई। तकनीकी साक्ष्यों एवं सतत पतारसी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा अलग अलग स्थानो पर दबिश देकर मामले के 02 आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर पूँछताछ की गई। पूँछताछ पर आरोपियों द्वारा घटना किया जाना स्वीकारी करते हुये बताया की हम लोग श्रनेज क्पंस के माध्यम से प्राप्त मोबाईल नंबरों पर संपर्क कर लोगों को कॉल लगाकर जिस चीज की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार से बात करके धोखाधडी करते हैं। दिनांक 27.01.2026 को मेरा एक साथी मुझे फर्रुखाबाद ले गया, जहाँ 02 अन्य साथियों ने बताया कि एक व्यक्ति उनके जाल में फँस गया है तथा उसके द्वारा भेजी जाने वाली राशि अपने बैंक खाते में प्राप्त करनी है । इस पर मैंने बैंक खाता उपलब्ध करा दिया। इसके बाद उक्त खाते में राशि प्राप्त हुई, जिन्हें हमने आपस मे बाँट लिया था।

जप्त सामग्री -

पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जे से 4.95 लाख नगद एवं 03 मोबाइल फोन जप्त किए गए है।

गिरफ्तार आरोपी-

01.अमित राजपूत पुत्र श्री गिरीश चंद्र निवासी ग्राम चाचूपुर थाना राजेपुर जनपद फतेहगढ़ जिला फरूखाबाद उ0प्र0

02.राम सिहं पिता रामरूप निवासी नगला केवल थाना राजेपुर जनपद फतेहगढ़ जिला फरूखाबाद उ0प्र0

फरार आरोपी-

01. शिवम ठाकुर निवासी थाना राजेपुर जनपद फतेहगढ़ जिला फरूखाबाद उ0प्र0

02. शिवम श्रीवास्तव निवासी नोयडा दिल्ली

सराहनीय योगदान-

उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर उनि0 संतोष सिंह यादव, स.उ.नि. बी.एम सिहं चंदेल, प्र0आर0 शिवस्वरूप तिवारी, लक्ष्मीनारायण, शंकर बुन्देला, सतेन्द्र बागरी, आर0 ब्रजेन्द्र, अमित बागरी, म0आर0 मधु किराडे, भूरी सिहं एवं पुलिस सायबर सेल टीम का सराहनीय योगदान रहा जिसे पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा पुरूस्कृत करने की घोषणा की गई है।

कर्मयोगी पुरस्कार या कागजी उपलब्धि? अमानगंज में अवैध शराब को लेकर आबकारी विभाग पर उठ रहे सवाल

अमानगंज। अमानगंज क्षेत्र में कथित रूप से बढ़ते अवैध शराब कारोबार को लेकर आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। ग्रामीण इलाकों से लगातार ऐसी शिकायतें सामने आ रही हैं कि गांव-गांव अवैध शराब का परिवहन और विक्रय जारी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की कार्रवाई का असर जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा। सबसे अधिक चर्चा इस बात को लेकर है कि जिस क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की शिकायतें लगातार उठ रही हैं, उसी क्षेत्र के आबकारी इंस्पेक्टर मुकेश पांडे को कर्मयोगी पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। अब लोग सवाल पूछ रहे हैं कि यदि सब कुछ नियंत्रण में है तो फिर गांवों तक शराब पहुंच कैसे रही है? और यदि शिकायतें सही हैं तो जिम्मेदारी किसकी तय होगी? क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि नशे का दायरा लगातार बढ़ रहा है और इसका असर युवाओं पर भी दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई स्थानों पर खुलेआम शराब बिकने की जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। लोगों का कहना है कि जब आम नागरिकों को अवैध गतिविधियों की जानकारी है, तो संबंधित विभाग को इसकी भनक न लगना समझ से परे है। कुछ क्षेत्रवासियों का यह भी दावा है कि वर्षों से जिले में पदस्थ रहने के कारण संबंधित अधिकारी का प्रभाव बढ़ गया है। वहीं सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने वाले कुछ लोगों द्वारा दबाव और धमकी जैसी शिकायतें भी चर्चा में हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और इनकी जांच होना आवश्यक है। जनता के बीच अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अवैध शराब के खिलाफ अभियान केवल कागजों तक सीमित है या वास्तव में जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई हो रही है? यदि कार्रवाई हो रही है तो उसके परिणाम सार्वजनिक क्यों नहीं हैं? और यदि नहीं हो रही तो इसके लिए जवाबदेही किसकी होगी? अमानगंज क्षेत्र के लोग मांग कर रहे हैं कि प्रशासन और आबकारी विभाग संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करें तथा अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाएं। क्योंकि यह मामला केवल कानून व्यवस्था का नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य और समाज के स्वास्थ्य से भी जुड़ा हुआ है।

जल निगम की तानाशाही, सनौरा मुख्य मार्ग को बीच से खोदा ग्रामीणों का रास्ता बंद, आपातकाल में एम्बुलेंस आना भी मुमकिन नहीं

गुनौर। विकास के नाम पर विनाश और सरकारी विभागों की लापरवाही का एक बड़ा मामला सनौरा से सामने आया है। यहाँ जल निगम के ठेकेदार ने अपनी मनमानी की सारी हदें पार करते हुए सनौरा मुख्य मार्ग के ठीक बीचों-बीच गहरी नाली खोद दी है। इस खुदाई के कारण पूरा रास्ता पूरी तरह से बंद हो चुका है। जैसा कि 'फोटो' में साफ देखा जा सकता है, एक पीले रंग की जेसीबी (श्रब्ठ) मशीन मुख्य पक्की सड़क को बीच से उखाड़कर मिट्टी का ढेर लगा रही है, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप्प हो गया है।मौसम के मिजाज को देखते हुए ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है। यदि इस बीच बारिश हो जाती है, तो खोदी गई मिट्टी कीचड़ में तब्दील हो जाएगी और पूरा मार्ग दलदल बन जाएगा। ऐसी स्थिति में पैदल चलना भी दूभर हो जाएगा, जिससे स्कूली बच्चों का स्कूल जाना पूरी तरह बंद हो जाएगा।जब परेशान ग्रामीणों ने इस बीच सड़क पर हो रही खुदाई का विरोध किया और अपनी समस्याएं सामने रखीं, तो मौके पर मौजूद ठेकेदार के कर्मचारियों (गुर्गों) ने बेहद गैर-जिम्मेदाराना और अड़ियल रवैया अपनाया। उन्होंने ग्रामीणों को दो टूक लहजे में धमकी भरे अंदाज में कहा हमारा काम खोदना है। तुम्हें जिसको सुनाना हो सुनाओ, हम तो बीच सड़क से ही नाली खोदकर पाइपलाइन डालेंगे। ठेकेदार की इस तानाशाही और बदतमीजी का जवाबदेह कौन है? ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप किया जाए, ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई हो और बंद पड़े रास्ते को जल्द से जल्द बहाल किया जाए।

खबर संक्षेप

डंपर की टक्कर से महिला की मौत, पति गंभीर घायल हालात में ग्वालियर रेफर

छतरपुर। जिले के थाना राजनगर क्षेत्र के हकीमपुरा के पास गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार शीला अहिरवार (35) पत्नी झगड़ू अहिरवार, निवासी ग्राम मऊ मसनिया, की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति ठाकुरदीन अहिरवार गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया है कि पति-पत्नी गांव से राजनगर बाजार खरीदारी करने जा रहे थे। इसी दौरान हकीमपुरा के पास पीछे से आए डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल राजनगर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान शीला अहिरवार को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल ठाकुरदीन अहिरवार की हालत नाजुक होने पर उन्हें इलाज के लिए ग्वालियर रेफर किया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

देवगांव टोल के पास दो बाइकों की भिड़ंत, पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवक की मौत

छतरपुर। जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के देवगांव टोल प्लाजा के समीप हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अजय अहिरवार पुत्र रामू अहिरवार निवासी बंदरगढ़, थाना राजनगर के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार बुधवार रात करीब 9 बजे देवगांव टोल प्लाजा के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में अजय अहिरवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

अवैध रेत से भरे डंपर ने महिला को कुचला मौत के बाद ग्रामीणों में फूटा आक्रोश

छतरपुर। सरबई क्षेत्र में अवैध रेत खनन का कारोबार एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ। रामपुर घाट में अवैध रेत से ओवरलोड एक बेकाबू डंपर ने सड़क पार कर रही एक महिला को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया और ग्रामीणों ने अवैध खनन व प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ नाराजगी जताई और सड़क पर जाम लगा दिया।स्थानीय लोगों का आरोप है कि रामपुर घाट क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन करने वाले ओवरलोड ट्रक, डंपर और ट्रैक्टर दिन-रात तेज रफ्तार से दौड़ते हैं, जिससे आम लोगों की जान लगातार खतरे में बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है, बल्कि ऐसे वाहनों की चपेट में आकर अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। हादसे के बाद लोगों ने शासन-प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि खनन माफियाओं के सामने प्रशासन पूरी तरह बेबस नजर आता है। अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से माफियाओं के हौसले लगातार बुलंद हैं। ग्रामीणों ने दोषी वाहन चालक और अवैध खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ क्षेत्र में अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाइश देकर जाम खुलवाया।

पल्स पोलियोः विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण

छतरपुर। जिला चिकित्सालय छतरपुर में आगामी पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन हेतु श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के पैरामेडिकल एवं नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को पोलियो वैक्सीन की खुराक पिलाने, बूथ प्रबंधन, कोल्ड चेन संधारण, अभिलेख संधारण तथा जन-जागरूकता गतिविधियों की जानकारी दी गई।

20 किलो से अधिक गांजा और 22 लाख की कार जब्त, तस्कर फरार

छतरपुर।

थाना सिविल लाइन पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम कदारी के पास से 20 किलो 420 ग्राम अवैध गांजा एवं उड़ीसा राज्य में पंजीकृत टाटा नेक्सन कार जब्त की है।

बरामद मादक पदार्थ और वाहन की कुल अनुमानित कीमत करीब 22 लाख रुपये बताई गई है। मामले में फरार आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों के संग्रह, उत्पादन, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना सिविल लाइन पुलिस को रात्रि गश्त के दौरान ग्राम कदारी के पास गांजा तस्करी की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां फार्म हाउस के सामने सड़क किनारे खड़ी एक संदिग्ध कार की विधिवत तलाशी लेने पर उसमें से 20 किलो 420 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने अवैध गांजा और तस्करी में प्रयुक्त उड़ीसा नंबर की टाटा नेक्सन कार को जब्त कर लिया। फरार आरोपी के विरुद्ध थाना सिविल लाइन में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश और मामले की विवेचना में जुटी हुई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सिविल लाइन निरीक्षक आशुतोष श्रोत्रिय, सहायक उप निरीक्षक सीताराम अहिरवार, आरक्षक हरेंद्र, अरविंद, हरिशरण, सूरजभान सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

साइबर अपराधों से बचाव के लिए पुलिस का जागरूकता अभियान, छात्रों को दिए सुरक्षा के गुर

छतरपुर।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के तहत जिलेभर में साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा द्वारा किया गया। अभियान के प्रभावी प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी साइबर सुरक्षा संबंधी संदेश प्रसारित किए गए।

अभियान के प्रथम दिवस पर सटई थाना प्रभारी टीआई सुनीता बिदुआ एवं पुलिस टीम ने शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, सटई में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को ऑनलाइन ठगी, साइबर अपराधों से बचाव के उपाय, साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा से संबंधित जागरूकता पंपलेट भी वितरित किए गए। थाना प्रभारी टीआई सुनीता बिदुआ ने प्रेस वार्ता एवं मीडिया ब्रीफिंग के माध्यम से आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। कार्यक्रम को सफल बनाने में थाना प्रभारी टीआई सुनीता बिदुआ, प्रधान आरक्षक ब्रजेन्द्र गुप्ता, प्रधान आरक्षक अजय गुप्ता, विद्यालय की प्राचार्य सुशीला वर्मा एवं समस्त स्कूल स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समाज के लिए प्रेरणा बनी शोभा देवी सामाजिक सेवा समिति, 76 वीं बेटी को सौंपी 20 हजार रुपए की एफडी।

नौगांव/छतरपुर।

समाज सेवा के क्षेत्र में लगातार मिसाल कायम कर रही शोभा देवी सामाजिक सेवा समिति नौगांव ने एक और सराहनीय पहल करते हुए अपनी 76 वीं बेटी के उज्ज्वल भविष्य के लिए 20 हजार रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) प्रदान की। यह कार्य माता जी स्वर्गीय कमलेश सिंह, पिता जी राजेंद्र सिंह निवासी बगौता, छतरपुर (गणेश मंदिर वाली गली, परी हॉस्पिटल के पास) की स्मृति में बैंक मैनेजर जोक चंद गिरोटी की अगुवाई में छतरपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता समाजसेवी संजय शर्मा द्वारा किया गया। समिति केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद और बेसहारा बेटियों के जीवन को संवारने का कार्य भी कर रही है। अब तक समिति 42 बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक करा चुकी है। इसके साथ ही 11 बेटियों को सिलाई मशीन एवं प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बेटियों के सुरक्षित भविष्य के लिए समिति अब तक लगभग 10 लाख रुपए की एफडी भी उपलब्ध करा चुकी है। वर्तमान में समिति 40 बेटियों की संपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही है। इनमें उनकी पढ़ाई, स्कूल फीस, कोचिंग, कपड़े, दवाइयाँ, चप्पल, फल-फूल और अन्य आवश्यक जरूरतों का नियमित रूप से ध्यान रख रही है, ताकि कोई भी बेटी संसाधनों के अभाव में अपने सपनों की उड़ान से वंचित न रहे। समिति का यह सेवा कार्य समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है। क्षेत्र के लोगों ने समिति की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यदि समाज के सक्षम लोग इसी तरह आगे आकर जरूरतमंद बेटियों का सहयोग करें, तो अनेक बेटियों का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल बनाया जा सकता है।

ईशानगर पुलिस पहुंची स्कूल, छात्रों को साइबर सुरक्षा का पढ़ाया पाठ

ईशानगर।

राज्य सरकार द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत ईशानगर पुलिस ने शासकीय सांदीपनि उच्च माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा एवं नए आपराधिक कानूनों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में थाना प्रभारी मनोज गोयल ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया पर होने वाले अपराधों तथा साइबर अपराधियों से बचाव के उपायों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में सतर्कता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने या व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। इस दौरान विद्यार्थियों को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिताऔर भारतीय साक्ष्य अधिनियम से जुड़े प्रमुख प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। साथ ही महिला सुरक्षा के लिए संचालित हेल्पलाइन नंबरों और आपातकालीन सेवाओं के उपयोग के बारे में जागरूक किया गया। थाना प्रभारी ने विद्यार्थियों से साइबर अपराधों के प्रति स्वयं जागरूक रहने और अपने परिवार एवं समाज को भी जागरूक करने की अपील की। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य के.एल. राय, कमलेश त्रिपाठी, कृष्णकांत त्रिपाठी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

मम्मा के 61 वें पुण्य स्मृति दिवस पर भाव पूर्ण श्रद्धांजलि, आध्यात्मिक कार्यक्रम में उमड़े श्रद्धालु

छतरपुर।

स्थानीय किशोर सागर स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र में बीते रोज संस्थान की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती (मम्मा) का 61वां पुण्य स्मृति दिवस श्रद्धा एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में लगभग 500 भाई-बहनों ने सहभागिता कर मम्मा के त्याग, तपस्या, सादगी और सेवा भाव को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सेवा केन्द्र प्रभारी बीके शैलजा बहन ने परमपिता शिव के ईश्वरीय महावाक्य मुरली का पाठ कराते हुए उपस्थित नियमित विद्यार्थियों को आध्यात्मिक संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मम्मा ने प्रारंभ से ही बाबा की हर आज्ञा में हां जी का भाव अपनाया और इसी समर्पण के कारण वह सभी की प्रिय एवं सर्वस्नेही बनीं। उन्होंने कहा कि मम्मा के जीवन में ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण, पवित्रता, नम्रता, सरलता, सहनशीलता, मधुर वाणी, मातृत्व, योगयुक्त जीवन और सेवा भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती थी। उन्होंने कहा कि मम्मा हां जी का पाठ पढ़ाकर नंबर वन में चली गईं।

कार्यक्रम के दौरान कुमारी गुनगुन, कुमारी रेशू एवं कुमारी मोहनी ने मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती के जीवन पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थितजनों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार सुरेन्द्र अग्रवाल एवं पूर्व प्राचार्य एस.के. उपाध्याय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया।

नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली, विद्यार्थियों ने ली शपथ

छतरपुर।

नशे की बुराइयों से समाज को दूर रखने और युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं नगरपालिका परिषद छतरपुर के सहयोग से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत जागरूकता रैली आयोजित की गई।रैली में विद्यालय के करीब 400 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नशा छोड़ने एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संदेश दिया। रैली को विद्यालय के प्राचार्य एस.के. शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

विद्यार्थी हाथों में जागरूकता संदेश लिए विद्यालय से छत्रसाल चौराहा पहुंचे और लोगों को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया। इसके बाद रैली वापस विद्यालय पहुंची, जहां विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाकर कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के लिए स्वल्पाहार और पेयजल की व्यवस्था भी की गई। यह आयोजन मुख्य नगरपालिका अधिकारी माधुरी शर्मा के निर्देशन में तथा शिवानी असाटी के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग एवं राम सिंह राय सहित विद्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

प्रस्तावित खजुराहो-भोपाल रेल लाइन बिजावर से निकालने की मांग तेज, जटाशंकर धाम में स्टेशन बनाने पर जोर

बिजावर।

प्रस्तावित खजुराहो-भोपाल रेल लाइन परियोजना को लेकर बिजावर नगर में जनसमर्थन लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में बड़ी देवी जी मंदिर परिसर में नगरवासियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें नगर के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों, समाजसेवियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से मांग उठाई गई कि प्रस्तावित रेल लाइन को बिजावर से होकर निकाला जाए तथा बिजावर और बड़ामलहरा के बीच स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल जटाशंकर धाम के समीप रेलवे स्टेशन का निर्माण किया जाए। वक्ताओं ने कहा कि बुंदेलखंड के केदारनाथ के रूप में विख्यात जटाशंकर धाम देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, इसलिए यहां रेलवे स्टेशन बनने से धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि रेल लाइन के बिजावर से गुजरने से क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई दिशा मिलेगी। इससे स्थानीय व्यापार को गति मिलेगी, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा बिजावर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास संभव हो सकेगा। नगर वासियों ने शासन एवं रेलवे प्रशासन तक अपनी मांग प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यह केवल बिजावर नगर की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जनभावना है, जिसे गंभीरता से ध्यान में रखते हुए रेल परियोजना का मार्ग निर्धारित किया जाना चाहिए।

हरपालपुर पुलिस ने दो चोरी की वारदातों का किया खुलासा, दो अंतर्राज्यीय चोर गिरफ्तार

हरपालपुर। थाना हरपालपुर पुलिस ने ग्राम गुढ़ो में 5 जून की रात हुई दो अलग-अलग चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए दो अंतर्राज्यीय चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चांदी के आभूषण एवं 25 हजार रुपये नगद बरामद किए हैं। मामले में पांच अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार ग्राम गुढ़ो निवासी सुरेंद्र यादव एवं हरि सिंह यादव के घरों में चोरी की वारदात के बाद भारतीय न्याय संहिता के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए थे। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान पुलिस ने उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के थाना मुस्करा क्षेत्र निवासी धीरेंद्र यादव एवं अजीत राजपूत को गिरफ्तार किया।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि धीरेंद्र यादव ने अर्टिगा कार खरीदी थी, जिसकी किस्तें नहीं चुका पाने के कारण उसने साथियों के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार गिरोह के सदस्य मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में चोरी की घटनाओं में शामिल रहे हैं।गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है। पुलिस घटना में शामिल पांच अन्य आरोपियों, चोरी गई शेष संपत्ति तथा वारदात में प्रयुक्त अर्टिगा कार की तलाश कर रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह सिकरवार सहित थाना हरपालपुर की पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिक्षा तथा स्वास्थ्य सूचकांक बेहतर करने पर विशेष ध्यान दें कलेक्टर्स- मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

रीवा ।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि कलेक्टर्स सुशासन पर ध्यान दें। आमजनता के कल्याण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों का तत्परता से निराकरण कराएं। कोई भी शिकायत 50 दिन से अधिक समय तक लंबित न रहे। शिक्षा तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपेक्षा के अनुरूप सुधार नहीं हो रहा है। सभी कलेक्टर इन दोनों विभागों की हर माह समीक्षा करें। स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग की विकासखण्ड स्तर पर संयुक्त बैठक आयोजित करके समीक्षा करें। इन विभागों के ऐप में दर्ज डाटा का विश्लेषण करके भी समुचित कार्यवाही करें। सभी गर्भवती महिलाओं का पंजीयन और समय पर जाँच कराकर एनिमिक महिलाओं को शत-प्रतिशत उपचार सहायता सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि बारिश शुरू होने से पहले बाढ़ राहत तथा आपदा प्रबंधन की समीक्षा कर लें। अतिवृष्टि की स्थिति में राहत शिविर बनाने तथा बाढ़ से राहत और बचाव के सभी प्रबंध

कर लें। किसी भी स्थिति में जन-धन की हानि न्यूनतम रखने का प्रयास करें। मुख्य सचिव ने कहा कि शिक्षण संस्थानों के आसपास ड्रग फ्री जोन बनाने के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। एनकोर समिति की हर माह बैठक आयोजित कराकर नशे के विरूद्ध अभियान को गति दें। नवीन न्याय संहिता के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाएं। खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन तथा परिवहन पर कार्यवाही के लिए लगातार अभियान चलाएं। पुलिस विभाग तथा अन्य विभागों के सहयोग से कलेक्टर्स साइबर क्राइम को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं। केन्द्र और राज्य सरकार के विभागों के लिए शासकीय भूमि के आवंटन की कार्यवाही तय समय सीमा में पूरी करें। बीएसएनएल के मोबाइल टावर लगाने के लिए प्राप्त आवेदनों का सात दिवस में निराकरण करें। स्थापित मोबाइल टावरों में तोड़फोड़ और चोरी की घटनाओं की एफआईआर अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। अच्छे कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए 15 जुलाई तक मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए नामांकन दर्ज कराएं।

बैठक में मुख्य सचिव ने शहरी क्षेत्र की प्रधानमंत्री श्रम मानधन योजना, नशे तथा मिलावट के विरूद्ध अभियान, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं हिरण्यगर्भा अभियान के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर कार्यालय से संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त एलएल अहिरवार तथा सभी संभागीय अधिकारी तथा कलेक्टर कार्यालय से प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन, पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर एवं संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक होगा विकसित, विंध्य क्षेत्र की प्रतिभाओं को मिलेगा उत्कृष्ट मंच

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स रीवा के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने रीवा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक के निर्माण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार करने के लिए विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना का विकास समय की आवश्यकता है। प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने और युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विंध्य क्षेत्र में आधुनिक खेल सुविधाओं के विकास से खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, अभ्यास और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। इससे क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा तथा वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने खेल अधोसंरचना विकास के कार्यों में तेजी लाने तथा खिलाड़ियों की आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रीवा में सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण क्षेत्र में एथलेटिक्स गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

पुलिस ने छात्रों को किया साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक

रीवा। डिजिटल युग में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों के बीच आम नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशव्यापी स्तर पर चलाए जा रहे सेफ क्लिक 2.0 सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवन अभियान के तहत रीवा पुलिस लगातार जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी क्रम में गुरुवार को शहर के बाल भारती स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूपों एवं उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन पुलिस अधीक्षक गुरकरण सिंह के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा, नगर पुलिस अधीक्षक ऋतु उपाध्याय तथा अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों और उनसे बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों पर प्रकाश डाला।अधिकारियों ने बताया कि तकनीक के विस्तार के साथ-साथ साइबर अपराधियों के तौर-तरीकों में भी लगातार बदलाव आ रहा है। वर्तमान समय में ओटीपी फ्रॉड, यूपीआई स्कैम, ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, पहचान की चोरी, साइबर बुलिंग, डेटा ब्रीच, फेक जॉब ऑफर, क्रिप्टोकरेंसी निवेश के नाम पर ठगी तथा हैकिंग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे अपराधों का शिकार होने से बचने के लिए नागरिकों को डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए।कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक, ईमेल अथवा मैसेज पर बिना सत्यापन के क्लिक न करें। अपने मोबाइल पर प्राप्त होने वाले ओटीपी, बैंकिंग पासवर्ड, एटीएम संबंधी जानकारी या अन्य गोपनीय सूचनाएं किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यक्तिगत जानकारी सीमित रूप से साझा करें ।

भाजपा जिला मंत्री ने कहा- झूठे आरोप लगाकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही कांग्रेस

रीवा ।

भारतीय जनता पार्टी जिला रीवा के मंत्री एवं गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि बाबूलाल यादव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर लगाए जा रहे आरोपों को निराधार बताते हुए कांग्रेस पार्टी की आलोचना की है।श्री यादव ने जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भूमि एवं अचल संपत्ति से संबंधित व्यवसाय लंबे समय से पारिवारिक रूप से संचालित होता रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने से पहले भी उनका यह व्यवसाय रहा है, इसलिए कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोप तथ्यहीन एवं राजनीतिक प्रेरित हैं।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के बीच अपनी स्वीकार्यता खो चुकी है और इसी कारण वह प्रदेश सरकार की उपलब्धियों से ध्यान भटकाने के लिए अनर्गल आरोपों का सहारा ले रही है। श्री यादव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की बढ़ती लोकप्रियता और सरकार के जनहितकारी कार्यों से विपक्ष असहज है, जिसके चलते इस प्रकार के बयान दिए जा रहे हैं।भाजपा नेता ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों, युवाओं, महिलाओं एवं गरीब वर्ग के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे जनता का विश्वास सरकार के प्रति लगातार बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार हैं और कांग्रेस जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। जनता सच्चाई को समझती है और इस प्रकार के राजनीतिक आरोपों को गंभीरता से नहीं लेती।बाबूलाल यादव ने कहा कि भाजपा विकास, सुशासन और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है, जबकि विपक्ष केवल आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में लगा हुआ है।

भीड़ ने कर दी पिटाई दो बाइक सवारों को मारी टक्कर, बीच सड़क पर हुआ विवाद

धोबिया टंकी चौराहे पर नशे में धुत ऑटो चालक ने किया हंगामा

ट्रैफिक पुलिस ने कराया मामला शांत

रीवा।

शहर के व्यस्ततम धोबिया टंकी चौराहे पर गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया, जब कथित रूप से नशे की हालत में एक ऑटो चालक ने तेज रफ्तार वाहन चलाते हुए दो अलग-अलग बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ऑटो चालक ने अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय बाइक सवारों से विवाद शुरू कर दिया, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि भीड़ ने चालक की जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान चौराहे पर तैनात यातायात पुलिसकर्मी ने हस्तक्षेप करते हुए किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ऑटो चालक काफी तेज गति से वाहन चला रहा था और वह नशे की हालत में प्रतीत हो रहा था। इसी दौरान उसने पहले एक बाइक को टक्कर मारी और कुछ दूरी पर दूसरी बाइक से भी भिड़ंत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद बाइक सवारों ने जब चालक से आपत्ति जताई तो वह उल्टा उनसे ही बहस करने लगा। विवाद बढ़ने पर आसपास मौजूद लोग भी मौके पर एकत्र हो गए और ऑटो चालक की पिटाई कर दी। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में कुछ लोग ऑटो चालक को घेरकर उससे बहस करते और मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं चालक के बारे में लोगों द्वारा नशे में होने का आरोप लगाया जा रहा है।चौराहे पर ड्यूटी पर मौजूद यातायात पुलिसकर्मी ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए भीड़ और ऑटो चालक के बीच बचाव किया। पुलिसकर्मी ने लोगों को शांत कराया और चालक को भीड़ के बीच से सुरक्षित बाहर निकाला। समय रहते पुलिस के हस्तक्षेप के कारण स्थिति और अधिक बिगड़ने से बच गई। बीच चौराहे पर हुए हंगामे और मारपीट के कारण काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा। बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए, जिससे धोबिया टंकी चौराहे पर जाम जैसी स्थिति निर्मित हो गई। राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। बाद में पुलिस द्वारा भीड़ को हटाकर यातायात व्यवस्था सामान्य कराई गई।

युवती ने रील बनाकर अवैध हथियार का किया प्रदर्शन, वीडियो सोशल मीडिया में वायरल, एसपी ने दिए जांच के निर्देश

रीवा।

जिले में हाल ही में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग और अवैध हथियारों से जुड़ी घटनाओं के बीच अब सोशल मीडिया पर एक युवती का अवैध हथियार के साथ प्रदर्शन किए जाने का मामला सामने आया है। युवती ने हथियार के साथ वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर रील के रूप में साझा किया, जो देखते ही देखते वायरल हो गई। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में भी हलचल मच गई है। जानकारी अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर मनु_रीवा नामक आईडी से दो अलग-अलग रील पोस्ट की गई हैं, जिनमें एक युवती हाथ में पिस्तौलनुमा हथियार लिए दिखाई दे रही है। वीडियो में युवती हथियार का प्रदर्शन करते हुए नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि वायरल रील को हजारों लोग देख चुके हैं और लगातार यह वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर साझा किया जा रहा है।गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से रीवा शहर में अवैध हथियारों के प्रदर्शन, खुलेआम फायरिंग और आपराधिक गतिविधियों से जुड़े मामलों में वृद्धि देखने को मिली है। हाल ही में शहर में हुई फायरिंग की घटनाओं के बाद पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाकर अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई की रणनीति बनाई गई है। इसके लिए अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन भी किया गया है, ताकि जिले में अवैध हथियारों की तस्करी, खरीद-फरोख्त और प्रदर्शन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। इसी बीच सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो ने पुलिस की कार्यप्रणाली और कानून-व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि इससे पूर्व भी सोशल मीडिया पर अवैध पिस्तौल के साथ वीडियो कॉल करने वाले एक युवक के खिलाफ समान थाना पुलिस ने कार्रवाई की थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हथियार बरामद कर उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है।मामले को लेकर जब रीवा पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरुकरण सिंह से चर्चा की गई तो उन्होंने वायरल वीडियो की जांच कराने की बात कही। एसपी ने संबंधित अधिकारियों को वीडियो की सत्यता, हथियार की वैधता तथा युवती की पहचान की जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में यदि हथियार अवैध पाया जाता है अथवा कानून का उल्लंघन सामने आता है तो संबंधित युवती के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आपातकाल केवल इतिहास की घटना नहीं, कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता का आईना है : डॉ नरोत्तम मिश्रा

रीवा। भाजपा के वरिष्ठनेता प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने रीवा भाजपा संभागीय कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आपातकाल केवल इतिहास की एक घटना नहीं, बल्कि कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता का आईना है। कांग्रेस हमेशा स्वयं को संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं से ऊपर मानती रही है। कांग्रेस को जब भी सत्ता मिली, उसने लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने और सत्ता को सर्वोपरि रखने का प्रयास किया, जो देश और लोकतंत्र दोनों के लिए घातक है। 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय था। सत्ता बचाने के लिए संविधान की आत्मा को कुचल दिया गया, नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए और लोकतंत्र को बंधक बना दिया गया। लाखों लोगों की आवाज दबाई गई, विपक्षी नेताओं और लोकतंत्र समर्थकों को जेलों में

ठूंस दिया गया तथा प्रेस की स्वतंत्रता पर अभूतपूर्व हमला किया गया।आपातकाल लागू होते ही हजारों विपक्षी नेताओं, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और छात्र नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अटल बिहारी वाजपेय जी , लालकृष्ण आडवाणी जी , जॉर्ज फर्नांडिस, मोरारजी देसाई जी तथा जयप्रकाश नारायण जी जैसे अनेक नेताओं को जेल में डाल दिया गया। प्रेस पर कड़ी सेंसरशिप लागू कर दी गई। समाचार पत्रों को प्रकाशित होने से पहले सरकारी अनुमति लेनी पड़ती थी। कई अखबारों की बिजली तक काट दी गई ताकि वे सरकार के विरुद्ध कोई समाचार प्रकाशित न कर सकें। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लगभग समाप्त हो गई और मीडिया को सरकारी नियंत्रण में लाने का प्रयास किया गया। आपातकाल को हमेशा याद रखा जाना चाहिए, क्योंकि यह केवल अतीत का एक अध्याय नहीं बल्कि लोकतंत्र के लिए चेतावनी है। जब सत्ता अहंकार में बदल जाती है तो संविधान, न्यायपालिका, मीडिया और नागरिक अधिकार सबसे पहले निशाने पर आते हैं। पत्रकार वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता मीडिया विभाग के प्रदेश सदस्य योगेंद्र शुक्ला विंध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ पंचू लाल प्रजापति राम सिंह रमाशंकर गुप्ता उपस्थित रहे।

ईव्हीएम वेयर हाउस का किया गया त्रैमासिक निरीक्षण

रीवा ।

प्रभारी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षत जैन ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईव्हीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदान के लिए उपयोग की गयी ईव्हीएम का नियमित त्रैमासिक निरीक्षण के क्रम में ईव्हीएम वेयर हाउस को खोला गया और प्रभारी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर बेक भी उपस्थित रहे।

संवैधानिक प्रावधानों का दुरुपयोग था 51 साल पहले थोपा गया आपातकाल: अजय खरे

सत्ता बदली, व्यवस्था नहीं अघोषित आपातकाल के चलते संवैधानिक संस्थाओं का हो रहा भारी दुरुपयोग

रीवा । समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि 51 साल पहले 25 जून 1975 को देश पर थोपा गया आपातकाल देश की जनता की आवाज के विरुद्ध संवैधानिक प्रावधानों का दुरुपयोग था। आपातकाल सिर्फ याद करने की रस्म अदायगी नहीं बल्कि भविष्य के लिए भी सबक है। लोकतंत्र को बचाने के लिए देश के संविधान को बचाने की जिम्मेदारी भी लोकतंत्र सेनानियों की है। नागरिक आजादी पर हो रहे किसी भी तरह के हमले का अहिंसात्मक प्रतिकार हमारा मौलिक अधिकार है। श्री खरे ने बताया कि गुरुवार 25 जून को आपातकाल के पूरे 51 साल हो रहे हैं। तत्कालीन इंदिरा सरकार ने आपातकाल को सही ठहराने कई महत्वाकांक्षी योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लागू किए लेकिन इससे छीनी गई नागरिक आजादी की भरपाई कैसे हो सकती थी। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में रोटी और आजादी दोनों की अहमियत है। रोटी के बिना आजादी अधूरी है और आजादी के बिना रोटी गुलामी का एहसास कराती है। किसी भी नागरिक को बिना कारण बताए , बिना मुकदमा चलाए लंबे समय तक जेल में रखना नागरिक आजादी पर सीधा हमला था। मीसा बंदियों को न्यायिक प्रक्रिया से दूर रखा गया था। आज भी कई मामले ऐसे देखने को मिलते हैं जिसमें सरकार का विरोध करने पर रासुका में बंद कर दिया जाता है। प्रभावशाली बलात्कारियों को पैरोल पर छोड़ा जा रहा है, उनकी सजा कम की जा रही है, यहां तक उनका अभिनंदन भी हो रहा है लेकिन राजनीतिक बंदियों के साथ बर्बरता की जा रही है।लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने बताया कि आपातकाल में कई कट्टरपंथी सांप्रदायिक संगठनों को भी प्रतिबंधित किया गया था। अपराधियों की भी धर पकड़ हुई थी लेकिन लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चल रहे संपूर्ण क्रांति के आंदोलन को बदनाम करने की कोशिश इंदिरा सरकार को काफी महंगी पड़ी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण संपूर्ण क्रांति आंदोलन के माध्यम से देश की राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में बुनियादी बदलाव चाहते थे लेकिन भारी विडंबना है कि उनका सपना आज भी अधूरा है। सत्ता तो बदलती है लेकिन व्यवस्था नहीं बदल रही। श्री खरे ने कहा कि करीब 90 साल के स्वतंत्रता आंदोलन के चलते देश आजाद हुआ। ऐसी स्थिति में किसी सरकार का जन आंदोलन से डर कर आपातकाल लगाना सही नहीं ठहराया जा सकता। लोकतंत्र सेनानी श्री खरे ने कहा कि आपातकाल के संवैधानिक प्रावधान का दुरुपयोग होने के कारण श्रीमती इंदिरा गांधी के द्वारा सन 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के दो टुकड़े करके बांग्लादेश के निर्माण की उपलब्धि को भी जनता ने अनदेखा कर दिया। आखिरकार जब श्रीमती इंदिरा गांधी ने सन 1977 में लोकसभा चुनाव कराए तो वह भारी जन आक्रोश का शिकार बनीं। देश की जनता ने वोट क्रांति की। यहां तक प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए वह अपनी रायबरेली लोकसभा सीट भी हार गईं।लोकतंत्र सेनानी श्री खरे ने कहा कि आपातकाल जैसी पुनरावृत्ति ना हो इसके लिए भारत के संविधान को मजबूत बनाए रखने की जरूरत है। जनसाधारण में ईमानदारी त्याग बलिदान संविधान के प्रति भावनाएं मजबूत हों इसका प्रयास विशेष रूप से किया जाना चाहिए। आपातकाल में सत्तारूढ दल के द्वारा बहुमत का दुरूपयोग हुआ था। बहुमत की तानाशाही रोकने के लिए देश को मजबूत विपक्ष की जरूरत रहती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता पर जनता का अंकुश रहना चाहिए। डॉ लोहिया कहते थे कि जिंदा कौमें 5 साल इंतजार नहीं किया करती हैं। लोकतंत्र का तकाजा है कि सरकारों को रोटी की तरह उल्टा पुल्टा जाए। राजनीति में व्यक्ति पूजक व्यवस्था से तानाशाही जन्म लेती है और फिर आपातकाल जैसे हालात से देश को जूझना पड़ता है। श्री खरे ने बताया कि आपातकाल के दौरान उन्होंने भी 18 महीने से अधिक समय मीसा में निरुद्ध रहते हुए रीवा केंद्रीय कारागार में बिताया है। इसके चलते वह नागरिक आजादी को लेकर सतत संघर्षशील हैं। पिछले कई सालों से देश में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति का सवाल लोगों के दिल दिमाग में है। देश में न्यायिक प्रक्रियाओं को ताक पर रखकर फर्जी एनकाउंटर और बुलडोजर अभियान चलाया जा रहा है। भारतीय न्याय व्यवस्था को तिलांजलि दी जा रही है। यह बात काफी चिंताजनक है, इस बारे में भी गंभीरता से सोचा जाना चाहिए।